टोडारायसिंह की बावड़ियों का एक ऐतिहासिक अध्ययन

A Historical study of Step - wells of Todaraisingh

महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर
को पी–एच.डी उपाधि हेतु प्रस्तुत

इतिहास विभाग
शोध–प्रस्ताव की रूपरेखा
(Synopsis)

शोधार्थी

बाबूलाल

शोध निर्देशक
डॉ. नीलिमा भार्गव
व्याख्याता, इतिहास विभाग
राजकीय महाविद्यालय, अजमेर

महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर
2012

Scanned by CamScanner

APPENDIX – IV

MAHARSHI DAYANAND SARASWATI UNIVERSITY, AJMER

Formet for outline Proposed work
(to be supplied in Six Copies)

1. **Name of Scholar (In English)** Babu Lal
   (In Hindi) बाबू लाल
2. **Title of the Research Work**
   (In English) A Historical study of step – Wells of Todaraisingh
   (In Hindi) टोडारायसिंह की बावड़ियों का एक ऐतिहासिक अध्ययन
3. **Location**
   a. **Institution/ Department where the work is to be done :** इतिहास विभाग राज. महाविद्यालय, अजमेर (राज.)
   b. **Geographical area of Investigation , if any :** टोडारायसिंह , टोंक
4. **Introduction Importance of Proposed Investigation , Objective .** **Annexure – I**
5. **Review (Work already done on the subject of proposed Research study.)** **Annexure – II**
6. **Research Gaps identified in the proposed field of investigation (Based on the review)** **Annexure – III**
7. **Major Hypothesis , if any .** **Annexure – IV**
8. **Research Methodology .** **Annexure – V**
9. **Chapter Wise Details of Proposed Research .** **Annexure – VI**
10. **List of References cited .** **Annexure – VII**

बाबूलाल
20-5-2013
Signature of the Candidate With Date

Outline Approved .

Name and Signature of Supervisor With Date & Seal .

श्री लिमा आर्य
19/6/13
....
....
व्याख्याता
राजकीय महाविद्यालय, अजमेर

Scanned by CamScanner

APPENDIX-VI

MAHARSHI DAYANAND SARASWATI UNIVERSITY, AJMER

Certificate By Supervisor
Certified That :

1. I am willing to guide the research work of Shri/Km./Smt. **Babu Lal** on the above subject if he/she is registered for Ph.D.

2. To the best of my knowledge, the subject selected has not been sutdied and is not being studied so far in any University.

3. The subject is of sufficient scope to keep the candidate engaged for two years.

4. The subject will lead to a valuable contribution. I have seen and approved the outline of proposed research work submitted by the candidate.

5. I have 04 (give numbers) Research candidates registered under my supervision and th serial number of this candidate whose application is being forwarded for registration is 05 (give the serial number)

6. The candidate is not a close relation (the term of close relation is defined in the examination ordinance of the University)

19/6/13

Signature of the Supervisor with date
राजकीय महाविद्यालय, अजमेर

Certified that the available facilities will be extenced to Shri/Km./Smt **Babu Lal** for research work if he/she is registered for Ph.D.

प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय, अजमेर

Signature of the Principal/ Director of the Institution with date

Signature of the Head, Department with Date

Scanned by CamScanner

4. प्रस्तावित शोध कार्य का महत्त्व एवं उद्देश्य

(Introduction Importance of Proposed Investigation, Objectives)

राजस्थान की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक परम्परा में टोंक जिले की टोडारायसिंह तहसील की बावडियाँ का विशिष्ट स्थान है यहां की बावड़ियाँ अपनी वास्तुकला, इतिहास और सांस्कृतिक गौरव के लिए भारतवर्ष में प्रसिद्ध है।

इस शोध कार्य द्वारा टोडारायसिंह की ऐतिहासिक धरोहर वहाँ की बावडियाँ का अध्ययन कर उनके ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व एवं जलप्रबन्धन तकनीक पर प्रकाश डाला जायेगाँ।

ऐतिहासिक दृष्टि से ''टोडारायसिंह की बावड़ियाँ का ऐतिहासिक अध्ययन'' प्रस्तुत शोध कार्य में शोधार्थी द्वारा प्रस्तावित कार्य के मुख्य उद्धेश्य अग्रलिखित है–

1. राजस्थान के इतिहास में बावड़ियाँ निर्माण के महत्व एवं उद्धेश्य को इस शोध के द्वारा उजागर करने का प्रयास किया जायेगा।
2. राजस्थान की भौगोलिक परिस्थितियों के सन्दर्भ में जल प्रबन्धन की दृष्टि से बावड़ियाँ निर्माण के महत्व को स्पष्ट किया जायेगाँ।
3. राजस्थान में बावड़ियाँ निर्माण कला की रूपरेखा की जानकारी प्राप्त की जायेगी।
4. स्मृति स्मारकों के रूप में बावडियाँ निर्माण के ऐतिहासिक तथ्य को प्रस्तुत करना।
5. राजस्थान में बावड़ियों की वर्तमान परिपेक्ष्य में प्रासंगिता का विस्तृत एवं गहन अध्ययन करना।

Scanned by CamScanner

6. टोडारायसिंह की बावड़ियाँ का ऐतिहासिक अध्ययन कर लोगों में टोडारायसिंह तहसील के ऐतिहासिक एवं सास्कृतिक गौरव के प्रति रूचि उत्पन्न करने का प्रयास किया जायेगाँ।

7. इस अध्ययन के द्वारा सरकार का ध्यान टोडारायसिंह की ऐतिहासिक धरोहरें के प्रति आकर्षित करने का प्रयास किया जायेगा ताकि सरकार यहां की ऐतिहासिक विरासतों के संरक्षण के लिए आवश्यक उपाय उठा सकें।

8. टोडारायसिंह तहसील में स्थित सभी बावडियाँ का विवरण एक ही स्थान पर उपलब्ध होने से विधार्थियों और रूचिवान पाठकों को अनावश्यक रूप से इधर–उधर भटकना नहीं पड़ेगाँ।

उपर्युक्त बिन्दु अध्ययन के केवल संकेत है अध्ययन के दौरान और विभिन्न बिन्दु उद्धेश्य के रूप में रेखांकित हो सकेंगे, ऐसा विश्वास है।

शोधार्थी द्वारा टोडारायसिंह की बावडियाँ का ऐतिहासिक अध्ययन द्वारा बावडियाँ की स्थापत्य कला, जल प्रबन्धन की दृष्टि से भूमिका और ऐतिहासिक महत्व को स्पष्ट करना ही शोध कार्य का मुख्य उद्धेश्य है।

Scanned by CamScanner

Annexure-II

5. प्रस्तावित शोध विषय के साहित्य का सर्वेक्षण

(Review Work already done on the subject of proposed research study)

''टोडारायसिंह की बावड़ियाँ का एवं ऐतिहासिक अध्ययन''

इस शीर्षक के ऊपर अभी तक कोई शोध कार्य नहीं हुआ है। बावड़ियाँ के बारे में साहित्यिक ग्रन्थों, पत्र–पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए आलेखों से, बावड़ियाँ का प्रत्यक्ष रूप से अवलोकन कर तथा स्थानीय व्यक्तियों से मिलकर जानकारी प्राप्त कर उनके विषय में लिखने का प्रयास करूंगाँ।

मेरी दृष्टि में यह शोध कार्य टोडारायसिंह तहसील की बावड़ियाँ की स्थापत्य कला, जल प्रबन्धन तकनीक एवं ऐतिहासिक महत्व उजागर करता है। अतः इस विषय पर शोध कार्य करने हेतु आपकी सहमति चाहता हूँ।

Scanned by CamScanner

6. प्रस्तावित शोध क्षैत्र में शोध सम्बन्धी रिक्तता

(Research Gaps Identified in the Proposed Field of Investigation Based on the Review)

''टोडारायसिंह की बावड़ियाँ का ऐतिहासिक अध्ययन''

इस शीर्षक पर अभी तक कोई शोध कार्य नहीं हुआ है मेरी दृष्टि में यह शोध टोडारायसिंह तहसील की बावड़ियाँ के ऐतिहासिक महत्त्व एवं जल प्रबन्धन व्यवस्था को स्पष्ट करने का नवीन आयाम उजागर करता है व शोध की मांग करता है।

Scanned by CamScanner

7. मुख्य परिकल्पना

(Major Hypothesis, if any)

इस शोध कार्य का मुख्य उद्देश्य टोडारायसिंह की बावड़ियाँ का ऐतिहासिक अध्ययन के द्वारा राजस्थान में बावडियाँ निर्माण उद्देश्य एवं महत्व, बावड़ियाँ निर्माण की रूपरेखा (स्थापत्य), राजस्थान की भौगोलिक परिस्थितियों के सन्दर्भ में जल प्रबन्धन की दृष्टि से बावड़ियों की भूमिका तथा टोडारायसिंह की बावड़ियाँ के ऐतिहासिक महत्व को उजागर करना है।

Scanned by CamScanner

8. शोध पद्धति

(Research Methodology)

प्रस्तुत शोध कार्य हेतु सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया जायेगाँ जिसमें टोडारायसिंह तहसील में स्थित बावड़ियाँ का प्रत्यक्ष रूप से अवलोकन कर उनकी वस्तुस्थिति का परिचय, इतिहास, स्थापत्य, जल प्रबन्धन की तकनीक, उनकी उपयोगिता का व्यक्तिशः अध्ययन कर एवं स्थानीय व्यक्तियों के मौखिक साक्षात्कारों के आधार पर बावड़ियाँ का ऐतिहासिक अध्ययन किया जायेगा।

अध्ययन के प्राथमिक स्त्रोतों हेतु बावड़ियों का भ्रमण कर प्रत्यक्ष रूप अवलोकन कर उनमें उत्कीर्ण शिलालेखों से और स्थानीय व्यक्तियों से मौखिक रूप से जानकारी प्राप्त की जायेगी।

इसी प्रकार अध्ययन के द्वितीयक स्त्रोतों हेतु विभिन्न प्रकार के साहित्यिक ग्रन्थों, वर्तमान लेखकों की पुस्तकों, पत्र–पत्रिकाओं, अखबारों, सरकारी पब्लिकेशन्स आदि को आधार बनाया जायेगाँ।

Scanned by CamScanner

९. प्रस्तावित शोध के अध्याय

(Chapter wise Details of Proposed Research)

अध्याय–1 टोडारायसिंह की भौगोलिक एवं ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

अध्याय–2 राजस्थान के इतिहास में बावड़ियाँ निर्माण के उद्देश्य एवं महत्व

अध्याय–3 बावड़ियाँ स्थापत्य कला की रूपरेखा

अध्याय–4 राजस्थान की भौगोलिक परिस्थितियों के सन्दर्भ में जल प्रबन्ध की दृष्टि से बावड़ियाँ का स्थान

अध्याय–5 टोड़ारायसिंह की बावड़ियाँ

अध्याय–6 राजस्थान की बावड़ियाँ

अध्याय–7 टोडारायसिंह की बावड़ियों की वर्तमान में प्रासंगिकता

अध्याय–8 उपसंहार

Scanned by CamScanner

10. सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

(List of Reference Cited)

1. अभिलेखागारीय सामग्री

1. पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग, राजस्थान–सरकार, जयपुर
2. राजस्थान राज्य अभिलेखागार, बीकानेर
3. राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर
4. मौलाना अबुल कलाम आजाद अरबी–फारसी शोध संस्थान, टोंक
5. जिला सूचना केन्द्र, टोंक

2. हिन्दी ग्रन्थ

1. ओझा, डॉ.श्रीकृष्ण, भातीय पुरातत्व, रिसर्च पब्लिकेशन्स, जयपुर 1994
2. गुप्त, शिवकुमार, भारतीय संस्कृति के मूल आधार, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
3. जैन, डॉ. हुकमचन्द, राजस्थान इतिहास एवं संस्कृति इनसाइक्लपीडिया जैन प्रकाशन मन्दिर, जयपुर, 2011
4. जैन, हुकमचन्द एवं शर्मा डॉ. कृष्ण गोपाल, भारत का राजनीतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, 1996
5. झा, रंगकुमार, भारतीय स्थापत्य कला, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर 1988
6. नीरज, डॉ. जयसिंह एवं भगवती लाल, राजस्थान की सांस्कृतिक परम्परा, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर 1998
7. पाठक, डॉ. कृष्णकान्त, भारतीय संस्कृति के आधार स्तम्भ, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर 1996
8. पुरोहित, प्रकाश – आज भी प्रासंगिक है परम्परागत जल स्त्रोत, राजस्थानी ग्रथागार, जोधपुर, 1998
9. भार्गव, डॉ.वी.एस., मध्यकालीन भारतीय इतिहास, रिसर्च प्रकाशन, जयपुर, 1988
10. भानावत, डॉ.महेन्द्र, लोक कला मूल्य और सन्दर्भ, भारतीय लोक कला मण्डल, उदयपुर

Scanned by CamScanner

11. मार्थर, प्रो. तेजकुमार एवं शर्मा, डॉ. दिनेश चन्द, मध्यकालीन राजस्थान का राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक इतिहास, 1400 ई. से 1708 ई. तक आचमन पब्लिकेशन, अजमेर

12. माथुर, विजेन्द्र कुमार, ऐतिहासिक स्थानवली, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, 1996

13. मिर्धा, रामनिवास एवं चतुर्वेदी त्रिलोकीनाथ, राजस्थान वैभव, अभिनन्दन ग्रन्थ, जयपुर

14. मोहता, श्रीलाल एवं दईया, पीयूष, लोक का आलोक, मरूधरा शोध केन्द्र, बीकानेर

15. मनोहर, डॉ. राघवेन्द्र, राजस्थान के राजघरानों का सांस्कृतिक इतिहास राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर

16. मनोहर, डॉ. राघवेन्द्र, राजस्थान के राजघरानों का सांस्कृतिक इतिहास राजस्थ्ज्ञान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।

17. मनोहर, डॉ. राघवेन्द्र, जयपुर क्षेत्र के ऐतिहासिक स्मारक एवं शिलालेख।

18. महेता, पृथ्वीसिंह, हमारा राजस्थान, इलाहाबाद, 1950

19. मिश्र, अनुपम, तालाब आज भी खरे है, नेशनल बुक ट्रस्ट इण्डिया, दिल्ली।

20. मिश्र, डॉ.रतनलाल, राजस्थान के दुर्ग, कुशन कुटीर प्रकाशन, झुन्झुनू, 1985

21. राणावत, ईश्वर सिंह, राजस्थान के जल संसाधन, चिराग प्रकाशन, उदयपुर, 1999

22. व्यास, श्यामाप्रसाद, राजस्थान के अभिलेखों का सांस्कृतिक अध्ययन, जोधपुर 1986

23. वेदालंकार, हरिदत्त भारत का सांस्कृतिक इतिहास, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली, 2001

24. शर्मा, डॉ.श्याम, प्राचीन भारतीय कला, वास्तुकला एवं मूर्तिकला, रिचर्स प्रकाशन, जयपुर, 1991

25. शर्मा, डॉ. गोपीनाथ, राजस्थान के इतिहास के स्त्रोत, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर 1998

26. शर्मा, डॉ. गोपीनाथ, राजस्थान के इतिहास के स्त्रोत, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर 1998

27. शर्मा, हरिशंकर, राजस्थान का इतिहास, मलिक एंड कम्पनी जयपुर, 2002

Scanned by CamScanner

28. शर्मा, हरिशंकर, मध्यकालीन भारत का इतिहास, मलिक एंड कम्पनी, जयपुर, 2004

29. शर्मा, कालूराम एवं डॉ. प्रकाश, राजस्थान का इतिहास पंचशील प्रकाशन, जयपुर, 2006

30. शर्मा मनोहर, प्राचीन राजस्थानी काव्य, साहित्य अकादमी, दिल्ली।

31. शर्मा, गोपीनाथ, राजस्थान का सांस्कृतिक इतिहास, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी जयपुर, 1999

32. शिवरती, डॉ. अजातशत्रु, राजपूतों का सामाजिक जीवन, राजस्थानी ग्रन्थागार जोधपुर, 1992

33. सिंह, वाई.डी., राजस्थान में कुए एवं बावडियाँ

34. सिंह, वाई.डी., राजस्थान में पारम्परिक नहरें, राजस्थानी गंथागार, जोधपुर

3. राजस्थान ग्रन्थ :–

1. कुम्पावतों री ख्यात रो खुलासों, राजस्थान राज्य अभिलेखागार, बीकानेर

2. चारण बांकीदास, बांकीदास री ख्यात स नरोत्तम दास स्वामी, राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर, 1982

3. चन्द्रशेखर, हम्मीर हठ, नागरी प्रचारिणी सभा, बनारस

4. बीसलदेव रासो, नागरी प्रचारिणी सभा बनारस, 1927

5. भट्ट लक्ष्मीधर, चक्रपाणि विज़य महाकाव्य, सम्पादक प्रो.के.के. शास्त्री, राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर, 1956

6. भाटी, डॉ. नारायण सिंह, अजीत विलास परम्परा, राजस्थानी साहित्य शोध संस्थानी, चौपासनी, जोधपुर

7. भाटों व चारणों की बहियाँ (अप्रक़ाशित)

8. भाटी, डॉ. नारायण सिंह, जैसलमेर री ख्यात, राजस्थान शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर 1981

9. भाटी, डॉ. नारायण सिंह, परम्परा, पिंगल शिरोमणी, राजस्थान शोध संस्थान, जोधपुर

10. भाटी, जैसा उदयजनोत, राजस्थानी अभिलेखागार, बीकानेर

11. महेता, अजीतसिंह, भाटीनामा, जैसलमेर, वि.सं. 1984

12. वीरभाण, राजरूपक, स. रामकर्ण आसोपा, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, 1941

Scanned by CamScanner

13. शास्त्री, डॉ.एच.पी. सम्पादक शब्द रतन प्रदीप, राजरथान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान जोधपुर 1956

14. सुर्जन चरिच, सम्पादक डॉ. दशरथ शर्मा, नागरी प्रचार पत्रिका

4. संस्कृत ग्रन्थ :–

1. श्रीमद् भगवद्गीता
2. याज्ञवल्क्य स्मृति
3. अपस्तम्ब धर्मसूत्र
4. गौत्तम धर्मसूत्र
5. ऐतरेय ब्राह्मण
6. बोधायान धर्मसूत्र
7. शुक्रनीति
8. महाभारत
9. अष्टाध्यायी
10. राजतंरगिणी
11. कुमार सम्भव
12. अमरकोष
13. नरपति जयचर्या
14. मनु स्मृति
15. समरांगण सूत्रधार
16. राजवल्लभ

5. शोध पत्र–पत्रिकाएँ

1. अन्वेषणा, त्रैमासिक, उदयपुर
2. अनेकान्त, दिल्ली
3. भारत कॉमुदी, इलाहाबाद
4. भारतीय इतिहास कोष, हिन्दी समिति लखनऊ
5. ज्ञानोदय, बनारस
6. इम्पीरियल गजेटियर ऑफ इण्डिया (राजपूताना) 1908 संस्करण
7. इण्डियन एन्टीक्वेरी

Scanned by CamScanner

8. इतिहास समीक्षा, जयपुर
9. जिज्ञासा, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर
10. जिनवाणी, जयपुर
11. कल्याण, गीता प्रेस, गोरखपुर, उत्तरप्रदेश
12. मज्झमिका, उदयपुर
13. मरूभारती, पिलानी, राजस्थानी
14. नागरी प्रचारिणी पत्रिका, वाराणासी, उत्तरप्रदेश
15. परम्परा, त्रैमासिक, चौपासनी, जोधपुर
16. प्रबोध भारती, कलकत्ता, पश्चिम बंगाल
17. पुरातत्व, नई दिल्ली।
18. राजस्थान भारती, बीकानेर
19. राजपूताना गजेटियर (Vol. II)
20. रासो, त्रैमासिक, महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर
21. रिसर्चर, पुरातत्व विभाग, राजस्थान
22. शोध पत्रिका, उदयपुर
23. सुजस, वार्षिक, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान सरकार

Scanned by CamScanner

प्रस्तावित शोध कार्य की संभावित अवधि

प्रस्तावित शोध कार्य 2 वर्ष में करना अपेक्षित है। जिसके अन्तर्गत–

1. प्रस्तावित शोध कार्य हेतु लगभग प्रथम वर्ष में संवंधित शोध सन्दर्भ ग्रन्थों का सूचीकरण, सर्वेक्षण एवं एतद् सम्बन्धित शोध पत्रों का अवलोकन किया जाना प्रस्तावित है।

2. द्वितीय वर्ष के अधीन एतद् विषयक शोध सामग्री का अध्ययन तथा शोध विषय से सम्बन्धित विभिन्न बिन्दुओं की वहुआयामी अध्ययन क्षेत्र के आलोक में बिन्दुवार लेखन किया जाना प्रस्तावित है।

उपर्युक्त शोध कार्य की प्रस्तावित अवधि है।

बाबूलाल
20-5-2013
Signature of the Candidate with Date

Outline Approved
नीलिमा गार्गी
19/6/13
Name and Signature of Supervisor with date & Seal
व्याख्याता.............................
राजकीय म... अजमेर

Scanned by CamScanner